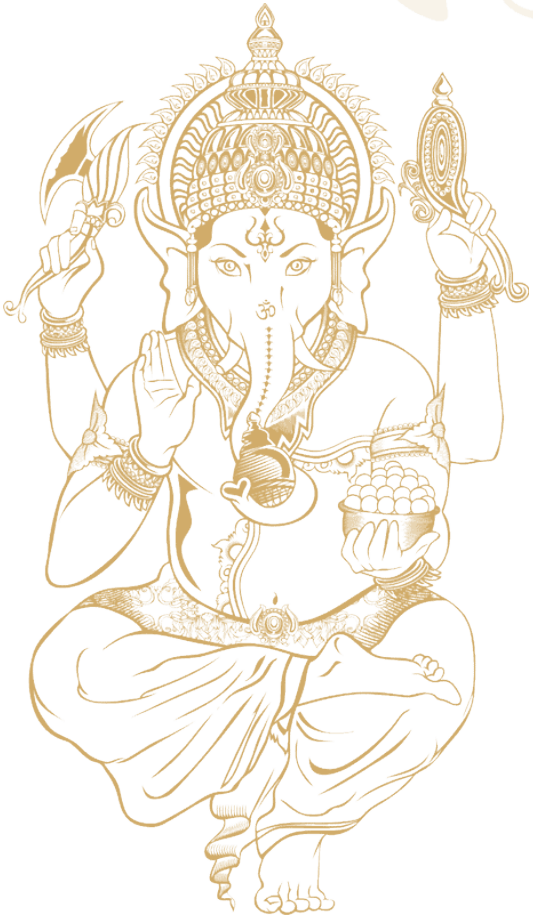

Mr.sahil vohra

06 Oct 1996

12:35 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 119196002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:35:00 घंटे**
इष्ट	15:39:59 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:12:24 घंटे
वेलान्तर	00:11:54 घंटे
साम्पातिक काल	13:13:18 घंटे
सूर्योदय	06:19:00 घंटे
सूर्यास्त	18:01:58 घंटे
दिनमान	11:42:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:29:32 कन्या
लग्न के अंश	09:44:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	09:44:32	337:38:07	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	19:29:32	00:59:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			कर्क	09:05:52	11:51:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कर्क	22:21:53	00:35:40	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			कन्या	02:10:01	01:18:40	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	15:39:30	00:05:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			सिंह	08:41:04	01:09:40	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	09:25:08	00:04:34	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:11:05	00:00:37	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:11:05	00:00:37	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	06:50:07	00:00:11	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:09:52	00:00:01	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:23:30	00:01:45	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कन्या	26:02:24	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:44

लग्न-चलित

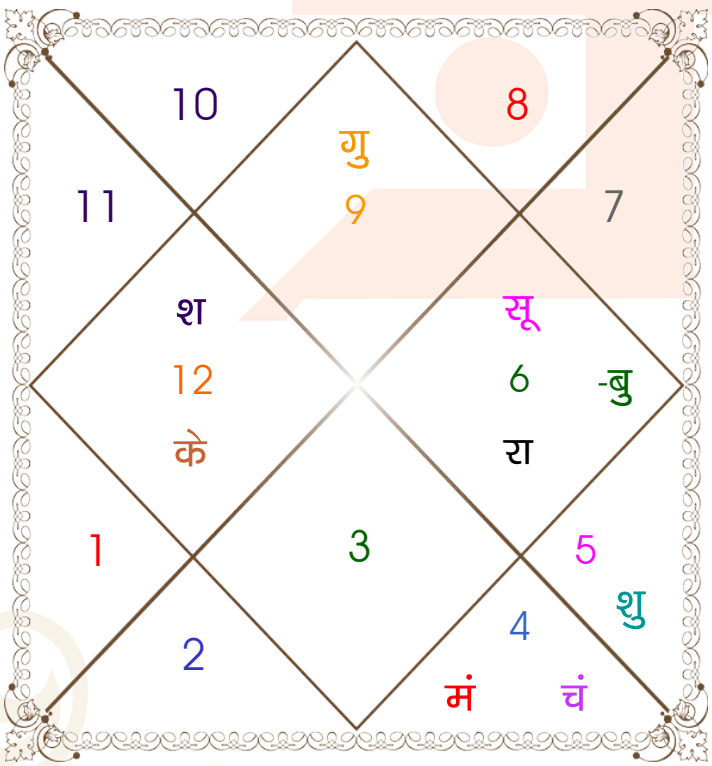

चन्द्र कुंडली

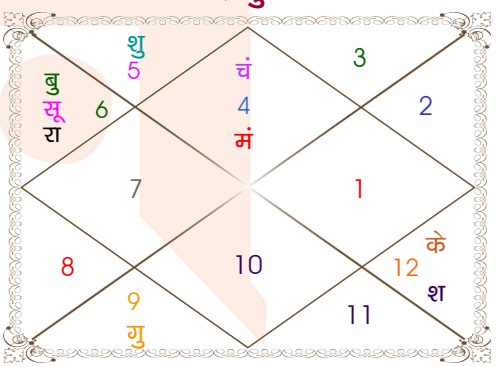

नवमांश कुंडली

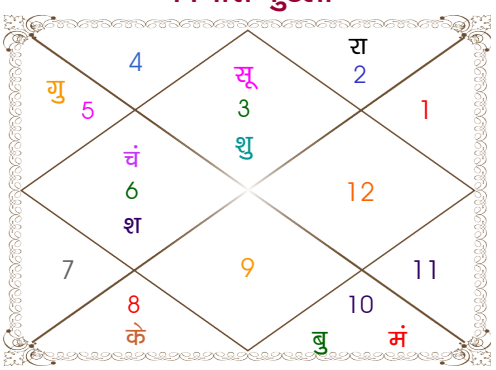

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 9 मास 12 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/10/1996		20/07/2007		20/07/2024		20/07/2031		20/07/2051	
20/07/2007		20/07/2024		20/07/2031		20/07/2051		20/07/2057	
	00/00/0000	बुध	16/12/2009	केतु	16/12/2024	शुक्र	19/11/2034	सूर्य	07/11/2051
	00/00/0000	केतु	13/12/2010	शुक्र	15/02/2026	सूर्य	19/11/2035	चंद्र	08/05/2052
	06/10/1996	शुक्र	13/10/2013	सूर्य	23/06/2026	चंद्र	20/07/2037	मंगल	12/09/2052
शुक्र	11/07/1998	सूर्य	20/08/2014	चंद्र	22/01/2027	मंगल	19/09/2038	राहु	07/08/2053
सूर्य	23/06/1999	चंद्र	19/01/2016	मंगल	20/06/2027	राहु	19/09/2041	गुरु	26/05/2054
चंद्र	21/01/2001	मंगल	15/01/2017	राहु	08/07/2028	गुरु	20/05/2044	शनि	08/05/2055
मंगल	02/03/2002	राहु	05/08/2019	गुरु	13/06/2029	शनि	20/07/2047	बुध	14/03/2056
राहु	06/01/2005	गुरु	10/11/2021	शनि	23/07/2030	बुध	20/05/2050	केतु	20/07/2056
गुरु	20/07/2007	शनि	20/07/2024	बुध	20/07/2031	केतु	20/07/2051	शुक्र	20/07/2057

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/07/2057		20/07/2067		20/07/2074		20/07/2092		21/07/2108	
20/07/2067		20/07/2074		20/07/2092		21/07/2108		00/00/0000	
चंद्र	20/05/2058	मंगल	17/12/2067	राहु	01/04/2077	गुरु	07/09/2094	शनि	24/07/2111
मंगल	19/12/2058	राहु	03/01/2069	गुरु	26/08/2079	शनि	20/03/2097	बुध	03/04/2114
राहु	19/06/2060	गुरु	10/12/2069	शनि	02/07/2082	बुध	26/06/2099	केतु	12/05/2115
गुरु	19/10/2061	शनि	19/01/2071	बुध	18/01/2085	केतु	02/06/2100	शुक्र	07/10/2116
शनि	21/05/2063	बुध	16/01/2072	केतु	06/02/2086	शुक्र	01/02/2103		00/00/0000
बुध	19/10/2064	केतु	13/06/2072	शुक्र	06/02/2089	सूर्य	20/11/2103		00/00/0000
केतु	20/05/2065	शुक्र	13/08/2073	सूर्य	31/12/2089	चंद्र	21/03/2105		00/00/0000
शुक्र	19/01/2067	सूर्य	19/12/2073	चंद्र	02/07/2091	मंगल	25/02/2106		00/00/0000
सूर्य	20/07/2067	चंद्र	20/07/2074	मंगल	20/07/2092	राहु	21/07/2108		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 9 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा। आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत

उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।